



आस्था : श्री शतरंगी महायज्ञ सह श्रीमद् देवी भागवत कथा के चौथे दिन मनुश्री महाराज के प्रवचन व भजन ने मोहा श्रद्धालुओं का मन नवरात्र मतलब रात्रि की उपासना, जिसने साध लिया, सब साध लिया : मनुश्री महाराज

चौथे दिन हुई गां भगवती के चौथे स्वरूप गां कुषमांडा की पूजा

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। जय-जय मां, जय-जय मां, जय-जय मां, हे कल्याणी जय-जय मां। जय-जय मां, जय-जय मां, हे रुद्राणीं जय-जय मां। वृद्धावन से पधारे संत मनुश्री महाराज ने जैसे ही इस भजन से कार्यक्रम की शुरुआत पूरा माहौल भक्तिमय हो गया। उन्होंने हनुमान चालिसा का भी गायन मनमोहक अंदाज में किया। भजन गायन पर सभी भक्त झुमे को विवश हो गये।



कार्यक्रम था रांची के हेलू रिथ्यू रूपा शाहदेव के पैतुक भूखंड पर चल रहे श्री शतरंगी महायज्ञ स्थापन देवी भागवत कथा के आयोजन का। इस महायज्ञ का चौथा दिन भगवत भक्ति, शक्ति आराधना के नाम रहा। वाराणसी से आये वजाचार्य नांगेंद्र नाथ ओङ्गा व सह यज्ञाचार्य निरंजन दास मिश्र ने जहां अपने वैदिक मंत्रों से पूरे वातावरण को भक्तिमय किया,

वहीं वृद्धावन वाले संत मनुश्री महाराज के भजन व प्रवचनों ने श्रद्धालु भक्तों को झुमे को विवश कर दिया। मां भगवती के जय-जयकरे से पूरा परिसर

मनुश्री महाराज ने भजन-सत्संग के दौरान नवरात्र का मतलब समझाया। उन्होंने कहा कि नवरात्र का मतलब रात्रि की उपासना है। जिसने साध लिया, सब साध लिया। यह नवरात्र है,



मां कुषमांडा की विधि-विधान से हुई पूजा

सुरासमूर्खलालशं सूर्यास्तुमेव च। ददार्य हस्तप्याश्चां कुष्मांडा शुश्रदास्तु में। श्री शतरंगी महायज्ञ सह श्रीमद् भागवत कथा ज्ञ में बने भव्य ज्ञ मंडप में माता पूर्णा के चौच विस्तार से समझाया। उनकी अमृत वाणी से भक्त सराबोर हुए। भजन-सत्संग के बाद भक्तों ने खिचड़ी के भोग का प्रसाद ग्रहण किया और अपने-अपने घर चले गये।

दास मिश्र ने वैदिक मंत्रों से मां का आहान किया और समस्त संसार के सुखों की कामना की। आचार्यों ने बताया कि कहते हैं, जब संसार में चारों तरफ अधिवारा छाया था, तब मां कुष्मांडा ने ही अपनी मधुर मुस्कन से ब्रह्मांड की रसाया की थी। मां दुर्गा का वह स्वरूप अपने भक्त को आर्थिक ऊँचाइयों पर ले जाने में निरन्तर सहयोग करता है। ज्ञ मंडप में मां के पूजन हुई। ज्ञ मानों के साथ पुरोहित वजाचार्य नांगेंद्र नाथ ओङ्गा व सह यज्ञाचार्य निरंजन दास मिश्र ने जहां अपने वैदिक मंत्रों से पूरे वातावरण को भक्तिमय किया।

आरती की गयी।

ये रहे अतिथि

महायज्ञ के चौथे दिन अतिथि के रूप में पूजा पंडाल में विद्याक सीपी सिंह, पूर्व डिटी मेयर अजय नाथ शाहदेव, यशवर्धन नाथ शाहदेव, विकेन्द्र चतुर्वेदी उदय प्रताप सिंह मुना पहुंचे थे। उन्हें मुख्य मंच पर मौजूद सत मनुश्री महाराज ने सम्मानित भी किया।

राज्य में रामनवमी पर पांच हजार होमगार्ड होंगे तैनात



आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। रामनवमी पर विवर्य स्वरूप को दुरुस्त रखने के लिए राज्य के 24 जिलों में 5000 होमगार्डों की तैनाती होगी। इस संबंध में एडीजी अधिवायन ने स्वीकृति प्रदान कर दी है। इन सभी जवानों की तैनाती 28 मार्च से एक अप्रैल तक के लिए होगी। जारखंड पुलिस मुख्यालय ने स्वीकृति अदेश में कहा है कि रामनवमी पर विवर्य स्वरूप के संधारण के लिए सभी जिलों के लिए 28 मार्च से लेकर 4 अप्रैल तक पांच दिन के लिए पांच हजार होमगार्ड होंगे। जारीबागां और विवर्य स्वरूप को देखने के लिए जिलों में योगदान देंगे, जहां से सभी जिलों के योगदान देंगे, जहां से सभी जिलों के पुलिस अधीक्षकों के जिलों के एसपी संचेदनशील और अतिवेदनशील स्थानों पर अन्य सुरक्षा बलों के साथ तैनात करेंगे। लगाया जायेगा रांची- 500, खुंटी- 100, रामगढ़- 100,

लोहरदा- 200, गुमला- 200, सिंधेगा- 100, जमशेदपुर- 300, चाईबासा- 200, सरयकेला- 150, धनबाद- 300, बोकारो- 300, पलामू- 250, गढ़वा- 250, लोहरदा- 100, हजारीबाग- 500, चतरा- 200, कोटड़मा- 100, गिरिडीह- 200, दुमका- 150, जामताड़ा- 300, साहिबांज- 250, गोंदा- 100 और देवघर जिले में 150 होमगार्ड और देवघर के लिए उन्होंने भजन-सत्संग करने के जिलों की तैनाती करने के लिए उन्होंने भजन-सत्संग करने के जिलों के लिए उन्होंने भजन-सत्संग करने के जिलों की तैनाती की जारीबागा और विवर्य स्वरूप के संधारण के लिए सभी जिलों के लिए 28 मार्च से लेकर 4 अप्रैल तक पांच दिन के लिए पांच हजार होमगार्ड की तैनाती की जा रही है। जिसके उद्घाटन कार्यक्रम में सुख्मंगी हेमंत से सोनेरन शामिल होंगे। सूतों की माने, तो नवी बहाती में कंपनी के सेवारत कर्मचारियों के बच्चों को भी नियोजन का मौका मिलेगा।

इन जगहों पर होगा निवेश

सबसे बड़ा निवेश टाटा स्टील की सहयोगी कंपनी टिनलेले में होनेवाला है। यहां करीब 1300 करोड़ का निवेश होगा। इसमें करीब 200 करीब करोड़ का निवेश होगा। इसमें करीब 6.79 लाख टन से बड़ा कर 6.79 लाख टन करने का लक्ष्य है। कंपनी जेको के पास करीब है। कंपनी जेको के पास करीब



जेमको कंपनी का भी विस्तार किया जायेगा
टाटा स्टील के भीतर करीब 1200 करोड़ का निवेश होने वाला है। अगले तीन साल में नवी प्रौद्योगिकी और नये मैटेरियलर की तलाश के लिए टाटा स्टील करीब 1200 करोड़ रुपये का निवेश करने जा रही है। इसके जरिये ही ग्राफीन उत्पाद को तरावद पकड़ने के लिए उत्पाद को टाटा स्टील तैयार कर रही है। चार तरह नये उत्पाद को इसके मैटिकल से जड़े उत्पाद भी हैं। फिलहाल ग्राफीन का कारोबार 500 करोड़ का हो चुका है।

40 एकड़ जमीन पर 0.5 मिलियन टन प्रति वर्ष उत्पादन का प्लांट लगाने वाली है। नया रॉट रॉल मिल स्थापित किया जायेगा। इसमें करीब 200 करोड़ का निवेश होगा। ग्राफीन का भी विस्तार होने वाला है। टर्क्यूल विलेजन का भी विस्तार होने वाला है। इसमें करीब 200 करोड़ का निवेश होगा। ग्राफीन का भी विस्तार होने वाला है।

एनआइएन ने नवसली अमन गंगा और जतरू खेरवार बुलबुल को रिमांड पर लिया
रांची। एनआइएन के कुख्यात नवसली कमांडर अमन गंगा और जतरू खेरवार को रिमांड पर लिया है। अगले तीन दिन तक अमन और जतरू से एनआइएन बुलबुल जंगल में आइडीडी ब्लास्ट को लेकर कई बूँदों की गोली और गोली के लिए जाने की तैयारी है। एनआइएन ने गोलन लीफ रिसार्ट, पाराडील काली और जमशेदपुर में पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में शनिवार को प्रेस कार्फेस में पार्टी के केंद्रीय प्रवक्ता डॉ देवशरण भगत ने कहा कि गोलन लीफ रिसार्ट, पाराडील काली और जमशेदपुर में पार्टी के केंद्रीय समिति की बैठक की घोषणा भी किये जाने की तैयारी है। सदेश महतों की अध्यक्षता में होनी है। इसमें राज्य के वर्तमान राजीनीतिक हालात की समीक्षा होगी। रामगढ़ अपचुनाव के बाद एनआइएन बुलबुल जंगल में आइडीडी ब्लास्ट को लेकर पूछताछ करेंगे।

एनआइएन की तरफ से दोनों ही कुख्यात नवसलीयों से पूछताछ के लिए पांच दिनों की रिमांड की अवधि की टिपोड विलेजन की गयी थी। हालांकि अदावत ने पिलहाल मार्ग दो दिनों तक की ही रिमांड को मंजूर किया है। दोनों नवसली कमांडर रांची के बिरसा मुंदा केंद्रीय कार्यालय में बंद हैं।

युवा नेताओं ने कहा एहुल गांधी की सुदृष्टि समाप्त होना लोकतंत्र के लिए काला दिन है।

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। युवा कांग्रेस संगठनरांची अधिकारी अवधक्ष कुमार विकारी के नेतृत्व में शनिवार को सैकड़ों युवाओं ने हरमू चौक पर कालो पट्टी बांध कर केंद्र सरकार के रवैये का विरोध किया और प्रधानमंत्री नेंद्र मोदी का पुतला फूंका। मौके पर कुमार विकारी ने कहा कि हमारे नेता और कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की संसदयता खत्म करना हाइटर एक्टिव डिसीजन है। नवीं थी। आखों से आंसू छलाक उठाएं यह अपने हाथों में बोले। इसके बाद यहां आकर कपड़ा पस्त किया।

भारत जोड़े यात्रा से डर कर भाजपा इस तरह का कार्य कर रही है। युवा नेताओं ने कहा कि सदस्यता समाज होना लोकतंत्र के लिए काला दिन है।

रांची, रीवावा

हणारीबाग/कोडरमा

लाइफ लाइन एक्सप्रेस प्रोजेक्ट के तहत

होगा निःशुल्क इलाज



कोडरमा (आजाद सिपाही)। जिला प्रशासन कोडरमा व ईप्पेक्ट इंडिया फाउंडेशन के सोसायर्स से ईप्पेक्ट इंडिया फाउंडेशन लाइफलाइन एक्सप्रेस प्रोजेक्ट के तहत चंदवारा प्रखंड स्थित पिपराईंडी रेलवे स्टेशन में निःशुल्क स्वास्थ्य कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। उपायुक्त आदिव रंजन ने शनिवार को प्रेस वर्तमान के बाबत कहा था कि निःशुल्क स्वास्थ्य कार्यक्रम 5 अप्रैल से 25 अप्रैल 2023 तक संचालित किया जायगा, जिसका ओपेडी समय पूर्वांग 9 बजे से अपराह्न 4 बजे तक रहेगा। निःशुल्क स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत आंख की जांच एवं मोतियाविद की सजरी दिनांक 10 अप्रैल से 10 अप्रैल 2023 तक, कान की जांच और कान की सजरी 12 अप्रैल से 10 अप्रैल 2023 तक, मुड़े हुए पैर की परीक्षण एवं सजरी 18 अप्रैल से 20 अप्रैल 2023 तक, रसन और ग्रीवा के संग्रामकरण के बाबत के सदस्यों, अखाड़ा समिति पर्व संसरण समिति के सदस्यों के साथ प्रशासनिक बैठक की। बैठक में डीसी ने उपस्थित महासमिति के सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि गत वर्ष सभी महासमितियाँ, अखाड़ा के सदस्यों ने प्रशासन से बहेतर महासमिति के सदस्यों के सबोधयोग व समचार के साथ रामनवमी पर्व को लेकर महासमिति के सदस्यों, अखाड़ा समिति पर्व संसरण समिति के सदस्यों के साथ प्रशासनिक बैठक की। बैठक में डीसी ने उपस्थित महासमिति के सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि गत वर्ष सभी महासमितियाँ, अखाड़ा के सदस्यों ने प्रशासन से बहेतर महासमिति के सदस्य व अखाड़ा समिति के सदस्यों ने प्रशासन के सबोधयोग व समचार के साथ रामनवमी पर्व को लेकर महासमिति की निर्देश दिया गया है। मरीजों को लिए वार्षिक स्वास्थ्य केंद्र चंदवारा में रहने और खाने की सुविधा उपलब्ध करायी जायेगी। मरीजों को लिए वार्षिक स्वास्थ्य केंद्र चंदवारा का भी निर्देश दिया गया है। मरीजों का अफलान रजिस्ट्रेशन की सुविधा रहेगी। उपायुक्त ने जिला वासियों से अपील करते हुए कहा कि निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का लाभ उठायें। अधिक संबोधयोग में शिविर में पहुंच कर अपना स्वास्थ्य चेकअप करायें। बताया गया कि 20 चिकित्सकों की टीम इस कार्य के लिए आ रही है। प्रेस वार्ता में उप विकास आयुक्त ऋतुराज, जिला जनसंघर्ष परिषिकारी शिविरनदर बड़ाइकंप व मीडिया कमी मौजूद थे।

सेक्रेट हार्ट स्कूल में ज्यायफुल लर्निंग

इन 21वीं सेचुरी पर कार्यशाला



झुमरीतीवंया (आजाद सिपाही)। सेक्रेट हार्ट स्कूल में शनिवार को ज्यायफुल लर्निंग इन 21वीं सेचुरी पर एक दिनी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें रिसोर्स पर्सन के रूप में स्कूल के एकडिमिक डायरेक्टर प्रमोद कुमार शर्मा थे। उन्होंने शिक्षकों को 21वीं सदी में शिक्षा में नियन्त्रण और सीखावों की प्रवृत्ति को कैसे अनंदादयक बनाया जाए, इसकी जानकारी पीपीटी के द्वारा दी। बीच-बीच में उन्होंने शिक्षकों से कई सवाल भी पूछे। उन्होंने लेन लान बनाने, बलास में होनेवाली समस्या का समाधान करने और बिना किसी दबाव के बच्चों को शिक्षा देने समेत कई जानकारी दी। यह कार्यशाला शिक्षकों के लिए काफी लाभकारी रहा। मौके पर प्रावार्य नवीन कुमार, एकेमिक कोर्डिनेटर प्रवीन कुमार, किशोर कुमाल, सुभय कुमार, संजय तिवारी, सज्जय मिश्रा, सुनील पाठक, कामिनी सहाय, सपाना शर्मा, रजनी कुमारी, शकर कुमार, फैजाय रेकर, पालय सिंह, अभिलाष सिंह, राहगुरु कुमार, सुमित शर्मा, अनन्तल मर, विकास कुमार, सरीया कुमार, सुभय कुमार, प्रमियम मैडम, सरोज पांडेय, कुलता जेटा, रुद्धी वर्मा, खाति कुमारा, पूजा सलूजा, रेणु सेट, सुजीत प्रताप, दीक्षा सिंह, अक्षय सिंह, प्रियांका गुप्ता, रंजित कुमारी, प्रियांका सिंह, विश्वल आनंद, मनोज सिंह समेत लालगढ़ 35 शिक्षक मौजूद थे। इसके पहले निदेशक प्रमोद कुमार ने शिक्षकों के साथ बैठक की और अनेकाल सत्र में शिक्षा को और कैसे बेहतर किया जाए इस पर चर्चा की।

लरियाडीह नयीटांड में हुई मारपीट और गाली गलौज के मामले में दिया आवेदन

कोडरमा (आजाद सिपाही)। थाना अंतर्गत पंचायत लरियाडी के गांव नईटांड में शनिवार की सुबह हुए मारपीट व गाली गलौज के मामले में पीड़ित के द्वारा एसटी-एसटी एसटी-एसटी में दिया गया। पीड़ित युवक राहुल दास पिता महेंद्र दास ग्राम अनंतडीह पंचायत लरियाडी कोडरमा निवासी ने एसटी-एसटी थाना में दिये अपने आवेदन में बताया कि 24 मार्च की सुबह अपने घर के पास खड़ा था, तभी शुभम याद पिता सहदेव यादव ग्राम कोलावरा एवं उसके ग्राम नईटांड निवासी ने पिता की गयी है। पीड़ित युवक राहुल दास पिता महेंद्र दास ग्राम अनंतडीह पंचायत लरियाडी कोडरमा निवासी ने एसटी-एसटी थाना में दिये अपने आवेदन में बताया कि 24 मार्च की सुबह अपने घर के पास खड़ा था, तभी शुभम याद पिता सहदेव यादव ग्राम कोलावरा एवं उसके ग्राम नईटांड निवासी ने पिता की गयी है। पीड़ित युवक राहुल दास पिता महेंद्र दास ग्राम अनंतडीह पंचायत लरियाडी कोडरमा निवासी ने एसटी-एसटी थाना में दिये अपने आवेदन में बताया कि 24 मार्च की सुबह अपने घर के पास खड़ा था, तभी शुभम याद पिता सहदेव यादव ग्राम कोलावरा एवं उसके ग्राम नईटांड निवासी ने पिता की गयी है। पीड़ित युवक राहुल दास पिता महेंद्र दास ग्राम अनंतडीह पंचायत लरियाडी कोडरमा निवासी ने एसटी-एसटी थाना में दिये अपने आवेदन में बताया कि 24 मार्च की सुबह अपने घर के पास खड़ा था, तभी शुभम याद पिता सहदेव यादव ग्राम कोलावरा एवं उसके ग्राम नईटांड निवासी ने पिता की गयी है। पीड़ित युवक राहुल दास पिता महेंद्र दास ग्राम अनंतडीह पंचायत लरियाडी कोडरमा निवासी ने एसटी-एसटी थाना में दिये अपने आवेदन में बताया कि 24 मार्च की सुबह अपने घर के पास खड़ा था, तभी शुभम याद पिता सहदेव यादव ग्राम कोलावरा एवं उसके ग्राम नईटांड निवासी ने पिता की गयी है। पीड़ित युवक राहुल दास पिता महेंद्र दास ग्राम अनंतडीह पंचायत लरियाडी कोडरमा निवासी ने एसटी-एसटी थाना में दिये अपने आवेदन में बताया कि 24 मार्च की सुबह अपने घर के पास खड़ा था, तभी शुभम याद पिता सहदेव यादव ग्राम कोलावरा एवं उसके ग्राम नईटांड निवासी ने पिता की गयी है। पीड़ित युवक राहुल दास पिता महेंद्र दास ग्राम अनंतडीह पंचायत लरियाडी कोडरमा निवासी ने एसटी-एसटी थाना में दिये अपने आवेदन में बताया कि 24 मार्च की सुबह अपने घर के पास खड़ा था, तभी शुभम याद पिता सहदेव यादव ग्राम कोलावरा एवं उसके ग्राम नईटांड निवासी ने पिता की गयी है। पीड़ित युवक राहुल दास पिता महेंद्र दास ग्राम अनंतडीह पंचायत लरियाडी कोडरमा निवासी ने एसटी-एसटी थाना में दिये अपने आवेदन में बताया कि 24 मार्च की सुबह अपने घर के पास खड़ा था, तभी शुभम याद पिता सहदेव यादव ग्राम कोलावरा एवं उसके ग्राम नईटांड निवासी ने पिता की गयी है। पीड़ित युवक राहुल दास पिता महेंद्र दास ग्राम अनंतडीह पंचायत लरियाडी कोडरमा निवासी ने एसटी-एसटी थाना में दिये अपने आवेदन में बताया कि 24 मार्च की सुबह अपने घर के पास खड़ा था, तभी शुभम याद पिता सहदेव यादव ग्राम कोलावरा एवं उसके ग्राम नईटांड निवासी ने पिता की गयी है। पीड़ित युवक राहुल दास पिता महेंद्र दास ग्राम अनंतडीह पंचायत लरियाडी कोडरमा निवासी ने एसटी-एसटी थाना में दिये अपने आवेदन में बताया कि 24 मार्च की सुबह अपने घर के पास खड़ा था, तभी शुभम याद पिता सहदेव यादव ग्राम कोलावरा एवं उसके ग्राम नईटांड निवासी ने पिता की गयी है। पीड़ित युवक राहुल दास पिता महेंद्र दास ग्राम अनंतडीह पंचायत लरियाडी कोडरमा निवासी ने एसटी-एसटी थाना में दिये अपने आवेदन में बताया कि 24 मार्च की सुबह अपने घर के पास खड़ा था, तभी शुभम याद पिता सहदेव यादव ग्राम कोलावरा एवं उसके ग्राम नईटांड निवासी ने पिता की गयी है। पीड़ित युवक राहुल दास पिता महेंद्र दास ग्राम अनंतडीह पंचायत लरियाडी कोडरमा निवासी ने एसटी-एसटी थाना में दिये अपने आवेदन में बताया कि 24 मार्च की सुबह अपने घर के पास खड़ा था, तभी शुभम याद पिता सहदेव यादव ग्राम कोलावरा एवं उसके ग्राम नईटांड निवासी ने पिता की गयी है। पीड़ित युवक राहुल दास पिता महेंद्र दास ग्राम अनंतडीह पंचायत लरियाडी कोडरमा निवासी ने एसटी-एसटी थाना में दिये अपने आवेदन में बताया कि 24 मार्च की सुबह अपने घर के पास खड़ा था, तभी शुभम याद पिता सहदेव यादव ग्राम कोलावरा एवं उसके ग्राम नईटांड निवासी ने पिता की गयी है। पीड़ित युवक राहुल दास पिता महेंद्र दास ग्राम अनंतडीह पंचायत लरियाडी कोडरमा निवासी ने एसटी-एसटी थाना में दिये अपने आवेदन में बताया कि 24 मार्च की सुबह अपने घर के पास खड़ा था, तभी शुभम याद पिता सहदेव यादव ग्राम कोलावरा एवं उसके ग्राम नईटांड निवासी ने पिता की गयी है। पीड़ित युवक राहुल दास पिता महेंद्र दास ग्राम अनंतडीह पंचायत लरियाडी कोडरमा निवासी ने एसटी-एसटी थाना में दिये अपने आवेदन में बताया कि 24 मार्च की सुबह अपने घर के पास खड़ा था, तभी शुभम याद पिता सहदेव यादव ग्राम कोलावरा एवं उसके ग्राम नईटांड निवासी ने पिता की गयी है। पीड़ित युवक राहुल दास पिता महेंद्र दास ग्राम अनंतडीह पंचायत लरियाडी कोडरमा निवासी ने एसटी-एसटी थाना में दिये अपने आवेदन में बताया कि 24 मार्च की सुबह अपने घर के पास खड़ा था, तभी शुभम याद पिता सहदेव यादव ग्राम कोलावरा एवं उसके ग्राम नईटांड निवासी ने पिता की गयी है। पीड़ित युवक राहुल दास पिता महेंद्र दास ग्राम अनंतडीह पंचायत लरियाडी कोडरमा निवासी ने एसटी-एसटी थाना में दिये अपने आवेदन में बताया कि 24 मार्च की सुबह अपने घर के पास खड़ा था, तभी शुभम याद प

संपादकीय



बढ़ेगा राजनीतिक टकराव

मा नहानि के एक मामले में सूत्र कोर्ट का फैसला आने के बाद जिस तेजी से लोकसभा सचिवालय के कांग्रेस नेता राहुल गांधी की संसद सदस्यता रद्द करने का ऐलान किया, वह भारतीय राजनीति के लिए नवीं चीज़ है। हालांकि जो हुआ, वह नियम-कानून के अनुरूप ही है। यह बात भी दिलचस्प है कि जिस कानून के तहत राहुल गांधी की संसद सदस्यता छिनी है, वह 2013 में खुद उन्हीं के हस्तक्षेप के बाद बना था। तब राहुल गांधी ने तत्कालीन यूपी सरकार द्वारा लाये जा रहे इस कानून से राहत दिलाने से संबंधित अत्यादेश की कौपी सार्वजनिक तौर पर फाड़ दी थी। हालांकि जिसका नाम कानून की हिमायत खुद राहुल गांधी से की थी, उसके लागू होने पर कांग्रेस इन्हीं हाथ-तौबा कर्मों में बदल रही है। लेकिन वह सिवक का सिर्फ़ एक पालू है। लोकतंत्र में कानून की वारिकियों की अहमियत तो होती है, लेकिन यह सबल भी कम महत्वपूर्ण नहीं होता कि आम लोग किसी मुद्दे को किस रूप में देखें। और आम लोगों के नजरिये से इस सवाल को अनदेखा करना मुश्किल है कि अपराध चाहे जो भी हो, खुद अदालत ने भी सांस पर अमल से पहले इसे खिलाफ़ अपील के लिए राहुल गांधी को एक दिनों की मौहलत में थी। ऐसे में लोकसभा सचिवालय ने उनकी संसद सदस्यता रद्द करने में जो जल्दबाजी दिखायी है, उसका सरकार के साथ चल रही उनकी तानातानों से कोई रिश्ता नहीं है, यह बात लोगों को समझाना बीजेपी के लिए आसान नहीं होगा। कांग्रेस नेताओं की शुरुआती प्रतिक्रिया भी इस बात की पूछताह करती है कि वे सबसे ज्यादा जोर इसी पहलू पर देंगे। इसके बावजूद वीजेपी का जोर यह बताने पर लगता है कि राहुल गांधी ने अपने बयान से पूरे ओबांसी समूदाय का अपमान किया है। जनता पर किसकी बात का ज्यादा असर होने वाला है, यह साफ़ होने में थोड़ा बकरत लगेगा, लेकिन जिस तरह से इस प्रकरण ने विषय की तमाज़ पार्टी को राहुल गांधी के समर्थन के लिए जमजूर कर दिया है, वह वीजेपी के लिए एक अतिरिक्त चुनौती तो हो गया है। इसे अलावा इस पूरे प्रकरण का एक और अहम पहलू है, जिसे नजरअंदाज़ करने वालों ने बताया है कि आम लोग बयान को लेकर संसद में विरोध का ताजा दौर शुरू हुआ, वह विदेश में दिया गया था और उसका सार वही था कि भारत में लोकतंत्र कमज़ोर हो रहा है। सरकार के लिए जरूरी था कि वह अपने व्यवहार से अंतराद्वीप स्तर पर बने वाली इस धारणा को अपार्शिक या निरवर्क साबित करे। चिंता की बात यह है कि सही हो वा गलत, विपक्षी नेताओं पर कानून व्यवस्था का कसता शिकंजा लोकतंत्र की मजबूती का संदेश नहीं देता।

अभिमत आजाद सिपाही

गर्भस्थ शिशु जैसे जैसे अपना आकार प्राप्त करता जाता है, वैसे-वैसे उसकी जरूरते में अब नामान्य प्राप्ति आवाजान और रहन सहन बदलना है। इसकी जिम्मेदारी पिता बनने जा रहे पुरुषों की एहतियात बरते जिससे कि अजन्मे शिशु को काँई कट न हो।

पूरन चंद सरीन

शिशु के गर्भ में रहने अर्थात उसके जन्म लेने तक उसके अधिकार हैं, यह हमारे देशवासियों के लिए कुछ अटपारा हो सकता है लेकिन असामान्य या वेकाका कर्तव्य नहीं है। बहुत से देशों में इसके लिए कानून भी हैं। इसके लिए प्रतिवर्ष 25 मार्च को अंतराद्वीप स्तर पर गर्भ में पल रहे शिशु के लिए विशेष दिवस मनाये जाने की परंपरा है।

देखा जाए तो यह केवल अजन्मे बच्चे के अधिकारों की बात नहीं है बल्कि उस मां के अधिकारों का रखणा है जो 30 महीने तक अपने गर्भ में रखकर उसका नामन-पोषण करती है।

अजन्मे शिशु के अधिकार

गर्भस्थ शिशु जैसे जैसा अपना आकार प्राप्त करता जाता है, वैसे-वैसे उसकी जरूरतें भी बढ़ती जाती हैं। उसके लिए जरूरते हैं कि उसकी माता बनने के लिए महिला को अपना खानपान और रहन सहन बदलना है। इसकी जिम्मेदारी पिता बनने जा रहे पुरुष पर भी आती है कि वह बे सब साधन जुटाए और प्रकार की एहतियात बरते जिससे कि अजन्मे शिशु को कोई कट न हो। इस प्रक्रिया में सही समय पर डाक्टरी

जांच और टीकाकरण तथा दवायों का सेवन आता है।

यह बात केवल महिला ही जानती है कि उसके गर्भ में जो जीव पल रहा है, उसकी जरूरतें क्या हैं और उन्हें पूरा कैसे करना है?

अब हम इस बात पर आते हैं कि हमारे देश में कानून तो बहुत है, लेकिन

उनसे अधिक परिवारिक संस्कारों, सामाजिक परंपराओं और न जाने कब से चली आ रही कुरुतीयों को मान्यता देने का रिवाज अधिक है। इस प्रक्रिया में कानून या तो कहाँ मुँह छिपा कर बैठ



अजन्मे बच्चे का पारिवारिक संपत्ति में जन्मसिद्ध कानूनी अधिकार है, इसलिए भी भूण हत्या होती है और यह परिवार की परंपरा है कि केवल लड़कों को ही उत्तराधिकारी माना जायेगा, इसलिए गर्भ में कन्या हो तो उसे जन्म देते देते हैं।

जाती है और अपनी पीठ के पीछे हो रही घटनाओं को अनेक बार करने को ही अपनी जिम्मेदारी निशान समझ लेता है या पिर अपना डाक दिखाया कर धौंस जमाते हुए दंड देने लगता है। कानून की नजर में जो अपराधी है, चाहे परिवार और समाज के नजरिये से सही माना जाये, सजा तो पाता ही है।

इस बात की अंगैरता को समझने के लिए कुछ उदाहरण देने आवश्यक हैं। हम अपने को परिवार की परंपरा है कि केवल लड़कों के लिए यह बात होती है और वह यह बात आती है कि कन्या की जगह पुत्र ही हो जाए। यह बात अपराधी है, चाहे परिवार और समाज के नजरिये से सही माना जाये, सजा तो पाता ही है।

अजन्मे बच्चे का परिवारिक संपत्ति में जन्मसिद्ध कानूनी अधिकार है, इसलिए गर्भ में कन्या हो तो उसे जन्म संसार में भरता है और उसे जन्म न लेने दिया जाये।

अजन्मे शिशु का एक अधिकार यह ही है कि उसके सही ढंग से विकास होने के लिए गर्भावस्था के दौरान और प्रसव से पूर्ण तक वे सब उपचार और सुविधाएं मिलें जो उसे इस संसार में स्वस्थ रूप में आने का रसना प्रशस्त कर सकें।

जहाँ कड़ी में माता का निरंतर पैदांकल चेकअप, नियांत्रित समय पर टीकाकरण और पौष्टिक भोजन और जन्म लेने से पहले एक सुरक्षित वातावरण जिससे न केवल मां उसे जन्म देने के लिए तैयार हो, बल्कि शिशु भी हृष्ट-पुष्ट अवस्था में आने का रसना प्रशस्त कर सकें।

यह कड़ी में माता का निरंतर पैदांकल चेकअप, नियांत्रित समय पर टीकाकरण और पौष्टिक भोजन और जन्म लेने से पहले एक सुरक्षित वातावरण जिससे न केवल मां उसे जन्म देने के लिए तैयार हो, बल्कि शिशु भी हृष्ट-पुष्ट अवस्था में आने का रसना प्रशस्त कर सकें।

जहाँ कड़ी में माता का निरंतर पैदांकल चेकअप, नियांत्रित समय पर टीकाकरण और पौष्टिक भोजन और जन्म लेने से पहले एक सुरक्षित वातावरण जिससे न केवल मां उसे जन्म देने के लिए तैयार हो, बल्कि शिशु भी हृष्ट-पुष्ट अवस्था में आने का रसना प्रशस्त कर सकें।

जहाँ कड़ी में माता का निरंतर पैदांकल चेकअप, नियांत्रित समय पर टीकाकरण और पौष्टिक भोजन और जन्म लेने से पहले एक सुरक्षित वातावरण जिससे न केवल मां उसे जन्म देने के लिए तैयार हो, बल्कि शिशु भी हृष्ट-पुष्ट अवस्था में आने का रसना प्रशस्त कर सकें।

जहाँ कड़ी में माता का निरंतर पैदांकल चेकअप, नियांत्रित समय पर टीकाकरण और पौष्टिक भोजन और जन्म लेने से पहले एक सुरक्षित वातावरण जिससे न केवल मां उसे जन्म देने के लिए तैयार हो, बल्कि शिशु भी हृष्ट-पुष्ट अवस्था में आने का रसना प्रशस्त कर सकें।

जहाँ कड़ी में माता का निरंतर पैदांकल चेकअप, नियांत्रित समय पर टीकाकरण और पौष्टिक भोजन और जन्म लेने से पहले एक सुरक्षित वातावरण जिससे न केवल मां उसे जन्म देने के लिए तैयार हो, बल्कि शिशु भी हृष्ट-पुष्ट अवस्था में आने का रसना प्रशस्त कर सकें।

जहाँ कड़ी में माता का निरंतर पैदांकल चेकअप, नियांत्रित समय पर टीकाकरण और पौष्टिक भोजन और जन्म लेने से पहले एक सुरक्षित वातावरण जिससे न केवल मां उसे जन्म देने के लिए तैयार हो, बल्कि शिशु भी हृष्ट-पुष्ट अवस्था में आने का रसना प्रशस्त कर सकें।

जहाँ कड़ी में माता का निरंतर पैदांकल चेकअप, नियांत्रित समय पर टीकाकरण और पौष्टिक भोजन और जन्म लेने से पहले एक सुरक्षित वातावरण जिससे न केवल मां उसे जन्म देने के लिए तैयार हो, बल्कि शिशु भी हृष्ट-पुष्ट अवस्था में आने का रसना प्रशस्त कर सकें।

जहाँ कड़ी में माता का निरंतर पैदांकल चेकअप, नियांत्रित समय पर टीकाकरण और पौष्टिक भोजन और जन्म लेने से पहले एक सुरक्षित वातावरण जिससे न केवल मां उसे जन्म देने के लिए तैयार हो, बल्कि शिशु भी हृष्ट-पुष्ट अवस्था में आने का रसना प्रशस्त कर सकें।

जहाँ कड़ी में माता का निरंतर पैदांकल चेकअप, नियांत्रित समय पर टीकाकरण और पौष्टिक भोजन और जन्म लेने से पहले एक सुरक्षित वातावरण जिससे न केवल मां उसे जन्म देने के लिए तैयार हो, बल्कि शिशु भी हृष्ट-प

